मंगलवार
22 मार्च 2022

पृष्ठ 4

लकड़ी के फर्नीचर को चमकाने के लिए घर पर बनाएं पॉलिश, आसान है बनाना

पृष्ठ 5

कैटरीना कैफ ने शुरु की फिल्म मैरी क्रिसमस की शूटिंग

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 54
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

चरित्रहीन शिक्षा, मानवता विहीन विज्ञान और नैतिकता विहीन व्यापार खतरनाक होते हैं।

—सत्य सांई बाबा

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

धामी की ताजपोशी: भितरघातियों को बड़ा सबक

विशेष संवाददाता

देहरादून। अपने मुख्यमंत्री और पार्टी प्रत्याशियों को हराकर कुछ हासिल करने व बड़े बनने के आदी हो चुके सूबे के नेताओं के लिए पुष्कर सिंह धामी की ताजपोशी एक बड़ा सबक है।

दो दशक के उत्तराखंड के राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो आपको ऐसे कई उदाहरण मिल जाएंगे जब अपने मुख्यमंत्री और पार्टी के प्रत्याशियों के खिलाफ चुनाव में भितरघात कर उन्हें हराने का काम किया जाता रहा है। अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए जो नेता दूसरों की खींची गई लाइन को मिटाकर स्वयं की लाइन को बड़ा बनाने का प्रयास करते हैं वह भले ही कुछ समय के लिए अपने प्रयासों में सफल होने पर खुश हो सकते हैं लेकिन उनकी यह खुशी दीर्घकाल तक टिकी नहीं रह सकती है।

भाजपा हाईकमान ने भले ही पुष्कर सिंह धामी की हार को स्वाभाविक हार मान लिया हो या फिर खुद पुष्कर सिंह धामी ने भी इस हार को अपने क्षेत्र पर ध्यान व समय कम देने का कारण बताकर पीछे छोड़ दिया हो, लेकिन

❑धामी की हार के पीछे कहीं भितरघात तो नहीं
❑दलगत राजनीति करने वालों से सतर्क रहना जरुरी

इतने बड़े अंतर से हुई उनकी हार के कारणों को भाजपा द्वारा तलाशा जाना चाहिए। कहीं ऐसा तो नहीं है कि भाजपा के लोगों ने ही उन्हें हराया हो, जैसे पूर्व सीएम (मेजर जनरल) बीसी खंडूरी को हराया था। उस समय भी भाजपा को उसकी एक सीट पर हार के कारण सत्ता से हाथ धोना पड़ा था तथा बी सी खंडूरी को मुख्यमंत्री की कुर्सी से।

हमने देखा है कि यह भितरघात और दलगत राजनीति की बीमारी से सिर्फ भाजपा पीड़ित नहीं है कांग्रेस का भी हाल वैसा ही रहा है। पूर्व सीएम हरीश रावत की दोनों सीटों से चुनाव लड़ने के बाद हुई हार और काग्रेस के विभाजन (2016) के पीछे यह भितरघात और दलगत राजनीति ही सबसे बड़ी वजह रही है। भाजपा हो या कांग्रेस दोनों ही इस बीमारी से ग्रसित रहे हैं। 2022 के वर्तमान चुनाव में भितरघात और दलगत राजनीति का जो खेल हुआ है वह कितने व्यापक स्तर पर हुआ है इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आज कांग्रेस के नेता भी चीखं-चींख कर कह रहे हैं कि भितरघात तो हुआ है अन्यथा हम यह चुनाव हारते नहीं। वहीं भाजपा के विधायक व प्रत्याशी तो मतदान के बाद अपनी पार्टी के नेताओं के नाम ले लेकर भितरघात के आरोप लगाते देखे गए हैं। ऐसे में अगर धामी को भी भितरघात के जरिए ही हराया गया हो तो इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं हो सकती।

भाजपा हाईकमान ने पुष्कर सिंह धामी को हार के बाद भी फिर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठाया जाना उन भितरघातियों के लिए एक बड़ा सबक भी हो सकता है जो इस बार भी सीएम की कुर्सी का सपने पाले बैठे थे। भाजपा और धामी को ऐसे नेताओं से सतर्क रहने की जरूरत है।

धामी ने किया शहीदों को नमन

❑2025 तक नंबर वन राज्य बनाने का दावा

विशेष संवाददाता

देहरादून। नेता विधानमंडल दल चुने जाने के बाद आज दूसरे दिन पुष्कर सिंह धामी ने शहीद स्थल जाकर राज्य आंदोलन के शहीदों को नमन किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उनकी सरकार 2025 तक उत्तराखंड को देश का नंबर वन राज्य बनाने के लिए काम करेगी। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के चिंतन पर काम जारी रहेगा। कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि यह दशक उत्तराखंड के विकास का दशक होगा, इस पर काम किया जाएगा और 2025 तक राज्य को देश का नंबर वन राज्य बनाएंगे।

पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि भाजपा के दृष्टि पत्र में जनता से जो भी वायदे किए गए है उन सभी वायदों को पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार का राज्य को फायदा हुआ है केंद्रीय योजनाओं पर तेजी से काम चल रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के बारे में कहा कि उनका राज्य के प्रति आगाध लगाव है। राज्य के विकास के लिए कई बड़ी योजनाओं पर काम चल रहा है जिनके पूरा होने पर राज्य के विकास को और अधिक गति मिलेगी। उन्होंने परेड ग्राउंड में चल रही शपथ ग्रहण की तैयारियों का भी जायजा लिया।

देश में 137 दिन बाद बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली । १३७ दिन के अंतराल के बाद देश में पेट्रोल–डीजल के दाम आज बढ़ गए हैं। इसकी अटकलें काफी पहले से लगाई जा रही थी और माना जा रहा था कि चुनाव के बाद कभी भी दाम बढ़ाए जा सकते हैं। मंगलवार को पेट्रोल की कीमतों में ८० पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। वहीं डीजल भी ७८ पैसे प्रति लीटर महंगा हुआ है। नई बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में पेट्रोल ९६.२१ रुपये प्रति लीटर हो गया है। वहीं डीजल भी ८७.४७ रुपये हो गया है। दामों में वृद्धि के बाद मुंबई में एक लीटर डीजल की कीमत ९४.९४ रुपये हो गई है, जबकि एक लीटर पेट्रोल ११०.७८ रुपये में मिलेगा। वहीं, कोलकाता में पेट्रोल १०५.५१ रुपये प्रति लीटर और डीजल ९०.६२ रुपये प्रति लीटर मिलेगा। चेन्नई में पेट्रोल १०२.१६ रुपये और डीजल ९२.१९ रुपये प्रति लीटर हो गया है।

❑घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम में 50 रुपए की बढ़ोतरी

वहीं घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम में ५० रुपए की बढ़ोतरी हो गई है। नई कीमत आज (मंगलवार) से लागू होगी। घरेलू एलपीजी सिलेंडर के रेट ६ अक्टूबर २०२१ के बाद बढ़े हैं। आज से घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत दिल्ली में ८९९.५० रुपए से बढ़कर ९४९.५ रुपए हो गई है।

बीते 24 घंटे में आए कोरोना वायरस के 1581 नए मामले, 33 मरीजों की मौत

नई दिल्ली । भारत में एक दिन में कोरोना वायरस के १,५८१ नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर ४,३०,१०,९७१ हो गई है। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर २३,९१३ रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार को सुबह ८ बजे जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण से देश में ३३ और लोगों की मौत के बाद मृतकों की कुल संख्या बढ़कर ५,१६,५४३ हो गई।

देश में कोविड–१९ के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर २३,९१३ हो गई है, जो कुल मामलों का ०.०६ प्रतिशत है। पिछले २४ घंटे में

उपचाराधीन मरीजों की संख्या में १,१९३ की कमी दर्ज की गई।

मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर ९८.७४ प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण की दैनिक दर ०.२८ प्रतिशत और साप्ताहिक दर ०.३९ प्रतिशत दर्ज की गई। देश में अभी तक कुल ७८.३६ करोड़ से अधिक नमूनों की कोविड–१९ संबंधी जांच की गई है, जिनमें से ५,६८,४७१ नमूनों की जांच पिछले २४ घंटे में की गई। देश में अभी तक कुल ४,२४,७०,५१५ लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड–१९ से मृत्यु दर १.२० प्रतिशत है। वहीं, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड–१९ रोधी टीकों की १८१.५६ करोड़ से अधिक खुराक लगाई जा चुकी हैं।

आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से अभी तक कुल ५,१६,५४३ मरीजों की मौत हुई है, जिनमें से महाराष्ट्र के १,४३,७६७ मरीज, केरल के ६७,३६३ मरीज, कर्नाटक के ४०,०३९ मरीज, तमिलनाडु के ३८,०२५ मरीज, दिल्ली के २६,१४७ मरीज, उत्तर प्रदेश के २३,४९२ मरीज और पश्चिम बंगाल के २१,१९५ मरीज थे।

दून वैली मेल

संपादकीय

हार के बाद जीत

पुष्कर सिंह धामी भले ही मुख्यमंत्री रहते हुए चुनाव हार गए लेकिन पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा लीक से हटकर फैसला लेते हुए उन्हें ही दोबारा मुख्यमंत्री बनाया जाना बेवजह नहीं है। चुनाव से सिर्फ 8 महीने पहले उन्हें जिन हालातों में प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया गया था वह अत्यंत ही विपरीत परिस्थितियां थी। इससे पूर्व एक मुख्यमंत्री अपने चार साल और दूसरा मुख्यमंत्री अपने 4 माह के कार्यकाल को धूल में मिला चुके थे। प्रचंड बहुमत वाली सरकार की उपलब्धि यां शुन्य थी। मुख्यमंत्रियों की अदला-बदली ने हालात और भी विसंगत बना दिए थे। लेकिन पुष्कर सिंह धामी ने अपनी पूरी योग्यता और क्षमता झौंक कर काम शुरू कर दिया। इसमें कोई संदेह नहीं है कि पुष्कर धामी चाहे कुछ भी कर लेते वह पार्टी को चुनाव में इतनी बड़ी जीत नहीं दिला सकते थे। यह जीत भाजपा को धामी के काम पर नहीं मोदी के नाम और केंद्रीय योजनाओं पर मिली, जो महिलाओं के लिए कल्याणकारी थी। धामी ने मोदी और शाह की नीतियों पर काम भर काम करने का काम किया लेकिन यह भी कोई कम बड़ी बात नहीं थी उनसे पहले वाले मुख्यमंत्री तो वैसा भी कुछ नहीं कर सके थे। एक अन्य महत्वपूर्ण बात यह है कि अगर यह जीत धामी का ही करिश्मा होती तो वह खुद भी चुनाव नहीं हारे होते। धामी की मेहनत और भाग्य ने उनका साथ दिया और भाजपा जिसे जीत की संभावनाए भी नजर नहीं आ रही थी, बड़े बहुमत के साथ जीत गई। इस चुनाव के दौरान भाजपा की जीत का प्रमुख आधार मुफ्त बांटा गया राशन और महिला मतदाताओं का जो समर्थन मिला उसकी सबसे बड़ी भूमिका रही। लेकिन भाजपा को मिली इस बड़ी जीत की पटकथा मुख्यमंत्री ध ामी के नेतृत्व में ही लिखी गई। धामी को चुनाव के दौरान अगर केंद्रीय नेतृत्व का सहयोग भी वैसा नहीं मिला होता जैसा मिला तब भी यह जीत आसान नहीं थी लेकिन जो जीता वही सिकंदर कहलाता है। खुद चुनाव हारने के बाद पुष्कर सिंह धामी थोड़े निराश जरूर थे लेकिन भाजपा की ऐतिहासिक जीत ने उनकी असफलता के दर्द को जुबान तक नहीं आने दिया। चुनाव के दौरान पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा उनके काम और राजनीति कौशल को न सिर्फ नजदीक से देखा गया था अपितु उनके कंधे पर हाथ रखकर उन्हें भावी युवा नेतृत्व का भरोसा भी दिलाया गया था। भले ही उनकी हार के बाद सीएम बनने के सपने की चमक अनेक नेताओं की आंखों में देखी गई हो लेकिन भाजपा की केंद्रीय नेतृत्व को जो धामी में दिखा वह अन्य किसी नेता में नहीं दिखा। यही कारण है कि भाजपा हाईकमान ने उन्हें दोबारा मुख्यमंत्री बनाकर उनकी जिम्मेवारी को पहले से भी अधिक बढ़ा दिया गया है अब उन्हें खुद भी चुनाव जीतना है तो पार्टी को भी 2024 का चुनाव जिताना है। सबको साथ लेकर चलना और जनता से चुनाव में किए गए वायदों को भी पूरा करना है जो एक बड़ी चुनौती होगा। सफलता के शीर्ष पर पहुंचना जितना मुश्किल होता है उससे भी कहीं ज्यादा मुश्किल होता है सफलता के शीर्ष पर टिके रहना। राजनीति के अखाड़े में यह चुनौती और भी बड़ी हो जाती है धामी के लिए यह समझना सबसे ज्यादा जरूरी है।

ऐतिहासिक झंडा जी मेले में श्रद्धालुओं की भीड़।

सरकारी रिकॉर्ड में भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को कब मिलेगा शहीद का दर्जा?

लेखकः युद्धवीर सिंह लांबा

'शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले,
वतन पर मरने वालों का यही बाक़ी निशाँ होगा।
कभी वह दिन भी आएगा जब अपना राज देखेंगे,
जब अपनी ही ज़मीं होगी और अपना आसमाँ होगा'

१९१६ में मशहूर क्रांतिकारी कवि जगदंबा प्रसाद मिश्र हितैषी जी द्वारा देशभक्ति की लिखी कविता की ये पंक्तियां देश की आजादी के लिए हंसते–हंसते अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले भगत सिंह और उनके दो साथियों सुखदेव व राजगुरू के लिए बेमानी साबित हो रही हैं। बड़े दुख की बात है कि १५ अगस्त २०२१ को देश की आजादी को ७५ साल हो चुके हैं, लेकिन देश के लिए मर मिटने वाले भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को शहीद का दर्जा नहीं मिल सका।

२३ मार्च को तीन महान क्रांतिकारी भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव का शहीदी दिवस है । लाहौर के शादमान चौक पर २३ मार्च, १९३१ के दिन भारत में ब्रिटिश हुकूमत को उखाड़ फेंकन में अपना अहम किरदार निभाने वाले स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को फांसी पर लटकाया गया था, तभी से हर साल २३ मार्च को इन तीन शहीदों की याद में शहीदी दिवस मनाया जाता है।

त्रातारमिन्द्रमवितारमिन्द्रं हवेहवे सुहवं शूरमिन्द्रम।
ह्वयामि शक्रं पुरुहूतमिन्द्रं स्वस्ति नो मघवा धात्विन्द्रः।।
(ऋग्वेद ६–४७–११)
मैं शत्रुओं के विनाशक और कल्याणकारी प्रभु को पुकारता हूं। मैं उस प्रभु को पुकारता हूं जो मेरे शत्रुओं काम, क्रोध, लोभ, मोह, आदि का नाश करने में मेरी सहायता करते हैं। मैं धन, सम्मान और शक्ति प्रदान करने वाले प्रभु को पुकारता हूं। मैं उस प्रभु को पुकारता हूं जिसको सभी पुकारते हैं।

I invoke God, the destroyer of enemies and benefactor of all. I call upon the Lord, who helps me to destroy my enemies: lust, anger, greed, attachment, etc. I call upon the Lord who bestows wealth, honour, and power. I call upon the Lord, whom all call upon.
(Rig Veda 6-47-11)

अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ जंग–ए–आजादी में भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु जी हुये थे कुर्बान।

लेकिन देश की आज़ादी के ७५ साल के बाद भी नहीं मिला भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु जी को शहीद का सम्मान।।

देश में भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की फांसी को लेकर जिस तरह से लोग प्रदर्शन और विरोध कर रहे थे, अंग्रेज सरकार डर गई थी। तीनों सपूतों को फांसी २४ मार्च १९३१ की सुबह दी जानी थी, लेकिन ब्रिटिश सरकार ने नियमों को दरकिनार कर एक रात पहले ही तीनों क्रांतिकारियों को लाहौर सेंट्रल जेल में फांसी पर चढ़ा दिया । ब्रिटिश सरकार ने फांसी के बाद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के शवों को परिवार को सौंपने के बजाय शवों के टुकड़े–टुकड़े करवाकर सतलुज नदी के किनारे स्थित हुसैनीवाला

शहीदी दिवस पर विशेष

के पास बेहद अपमानपूर्वक जलाने की कोशिश की थी।

देश का दुर्भाग्य है कि भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को शहीद का दर्जा दिलाने के लिए उनके परिजनों को भूख हड़ताल करनीं पड़ रही है। शहीद का दर्जा दिलवाने के लिए उनके परिजनों को सड़कों पर धक्के खाने पड़ रहे हैं। सितंबर २०१६ में इसी मांग को लेकर भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के वंशज जलियांवाला बाग से इंडिया गेट तक शहीद सम्मान जागृति यात्रा निकाल चुके हैं । भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु ने देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी लेकिन सरकारों की तरफ से उचित सम्मान आजतक नहीं मिल पाया है जोकि अत्यंत शर्मनाक, दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है।

शहीद भगत सिंह के प्रपौत्र यदवेंद्र सिंह के मुताबिक अप्रैल २०१३ में आरटीआई के जरिए उन्होंने भारत के गृह मंत्रालय से पूछा था कि भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को कब शहीद का दर्जा दिया गया था। और अगर ऐसा अब तक नहीं हुआ, तो सरकार उन्हें यह दर्जा देने के लिए क्या कदम उठा रही है? मई, २०१३ में भारत के गृह मंत्रालय के लोक सूचना अधिकारी श्यामलाल मोहन ने जवाब दिया कि मंत्रालय के पास यह बताने वाला कोई रिकॉर्ड नहीं कि इन तीनों क्रांतिकारियों को कब शहीद का दर्जा दिया गया।

इससे बड़ा देश का कोई दुर्भाग्य नहीं हो सकता है कि आज शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को आतंकवादी कहा जा रहा है तथा स्कूलों एवं विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों में भी आतंकवादी पढ़ाया जा रहा है। वर्ष २००७ में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा – मुख्य परीक्षा की सामान्य अध्ययन के प्रश्नपत्र में प्रश्न पूछा गया था कि च्स्वतत्रंता के लिए भारत के संघर्ष के उद्देश्य को भगत सिंह द्वारा निरूपित क्रांतिकारी आतंकवाद के योगदान का मूल्यांकन कीजिएज् ।

दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ाई जा रही स्वतंत्रता के लिए भारत का संघर्ष शीषर्क से लिखी एक पुस्तक के २०वें अध्याय में भगत सिंह, चन्द्रशेखर आजाद, सूर्य सेन और अन्य को क्रांतिकारी आतंकवादी बताया गया है। यह पुस्तक दो दशकों से अधिक समय से दिल्ली विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम का हिस्सा रही है। इस पुस्तक का पहला संस्करण १९९० में प्रकाशित हुआ था। यह पुस्तक मशहूर इतिहासकार बिपिन चंद्र, मृदुला मुखर्जी, आदित्य मुखर्जी व सुचेता महाजन ने मिलकर लिखा है।

भगत सिंह को १९ साल की उम्र में विवाह के बंधन में बांधने का प्रयास किया गया तो वह घर से भाग गए और अपने पीछे अपने माता–पिता के लिए एक पत्र छोड़ गए जिसमें लिखा था, च्मेरा जीवन एक महान उद्देश्य के लिए समर्पित है और वह उद्देश्य देश की आजादी है। इसलिये मुझे तब तक चैन नहीं है। ना ही मेरी ऐसी कोई सांसारिक सुख की इच्छा है जो मुझे ललचा सके।

लाला लाजपत राय ने अंग्रेजों के साइमन कमीशन के विरुद्ध ३० अक्टूबर १९२८ को विशाल प्रदर्शन किया था। उस दौरान लाठीचार्ज में वे बुरी तरह घायल हो गए थे। लाठीचार्ज के ठीक १८ दिन बाद १७ नवंबर १९२८ को उन्होंने अंतिम सांस ली। इस लाठीचार्ज के जिम्मेदार पुलिस अफसर जॉन सांडर्स को १७ दिसंबर १९२८ को राजगुरु, सुखदेव और भगत सिंह ने गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया था। ८ अप्रैल, १९२९ को सेंट्रल असेंबली नई दिल्ली में पब्लिक सेफ्टी बिल और ट्रेड डिसप्यूट बिल पेश होने के दौरान भगत सिंह और बीके दत्त ने बम फेंका था। दोनों चाहते तो भाग सकते थे, लेकिन दोनों ने आत्मसमर्पण कर दिया।

मेरा (युद्धवीर सिंह लांबा, वीरों की देवभूमि धारौली, झज्जर) मानना है कि शहीद–ए–आजम भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की शहादत को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता है। श्इंकलाब जिंदाबादश का नारा बुलंद करके नौजवानों के दिलों में आजादी का जुनून भरने वाले भगत सिंह का नाम इतिहास के पन्नों में अमर है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आजादी मिलने के बाद भगत सिंह के साथ – साथ सुखदेव और राजगुरु को भी शहीद घोषित करने से सरकारें परहेज कर रही हैं। सरकार को अब चाहिए कि वह अविलंब सरकारी रिकॉर्ड में वतन पर अपनी जान न्योछावर करने वाले भगत सिंह के साथ – साथ सुखदेव और राजगुरु को भी शहीद का दर्जा दे।

लिख रहा हूं मैं अंजाम आज, जिसका कल आगाज आएगा,
मेरे लहू का हर एक कतरा इंकलाब लाएगा,
मैं रहूं या न रहूं मगर वादा है तुमसे ये मेरा,
मेरे बाद वतन पे मिटने वालों का सैलाब आएगा।

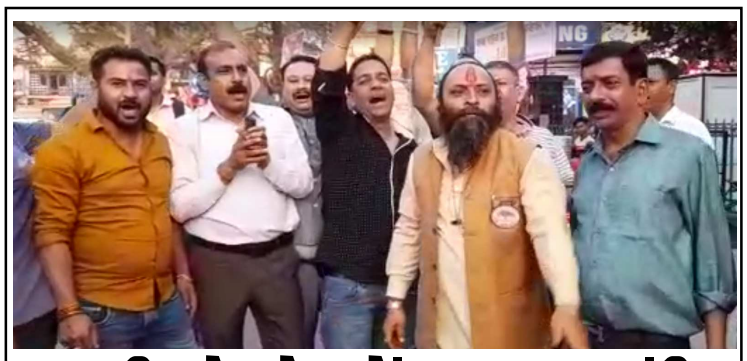

धामी को प्रदेश में पुनः मुख्यमंत्री बनाने पर मिष्ठान वितरित किए

देहरादून (कासं)। हनुमत सेवा समिति घंटाघर व विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने हर्षोल्लास के साथ प्रदेश में पुनः मुख्यमंत्री की कमान पुष्कर सिंह धामी के हाथ में देने पर हर्ष व्यक्त किया और घंटाघर पर जमकर आतिशबाजी कर मिष्ठान वितरित किए। कार्यकर्ताओं ने बताया किस प्रदेश में सभी ने युवा नेतृत्व को समर्थन दिया और इस प्रदेश का विकास की जो योजना क्रियान्वित करने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ कोई व्यक्ति है तो वह सिर्फ पुष्कर सिंह धामी है । उत्तराखंड प्रदेश में मजबूत कानून व्यवस्था और सुरक्षा के दृष्टिकोण से प्रदेश के डेमोक्रेसी बदलाव पर चिंतन और समान नागरिक संहिता पर उनके संकल्प को जनता ने स्वीकार किया और उन्हें चुना अब अपने किए गए संकल्पों को पूरा करने का समय उनका है। कार्यक्रम में बजरंग दल के प्रांत सप्ताहिक मिलन प्रमुख विकास वर्मा, हनुमत सेवा समिति अध्यक्ष संदीप वाधवा व्यवस्था प्रमुख मनोज जुनेजा, कोषाध्यक्ष विजय गुप्ता, कार्यसमिति से सुमित वाधवा, मनोज कुमार, गौतम सलूजा, सोनू गुरुंग, संजय कुमार, सुनील वर्मा अभिषेक वर्मा,अजय डोभाल, सतीश कुमार, मुन्ना सिंह, व अन्य लोग उपस्थित रहे।

ब्रेन डेड उमेश के परिजनों के फैसले से 6 लोगों को मिली नई जिंदगी

बेलगावी । परोपकार की सर्वश्रेष्ठ श्रेणी में अंगदान को महादान का दर्जा मिला है। अंगदान कर आप किसी को नया जीवन दे सकते हैं, आप किसी के चेहरे पर फिर से मुस्कान ला सकते हैं। आप किसी को फिर से ये दुनिया दिखा सकते हैं। अंगदान करके आप फिर किसी की जिंदगी को नई उम्मीद से भर सकते हैं। अंगदान करने से न केवल आपको बल्कि दूसरे को भी खुशी देती है। कर्नाटक के बेलगावी जिले में रहने वाले दंडगी परिवार ने 6 परिवारों में खुशियां लौटाईं। खबर के मुताबिक, बेलगावी के महाबलेश्वर नगर में सीढ़ी चढ़ते समय 51 साल के उमेश बसवन्ना दंडगी गिर गए। उनके सिर में गंभीर चोट लगी। उन्हें फौरन जिले के केएलई अस्पताल पहुंचाया गया, मगर डॉक्टरों ने उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया। डॉक्टरों ने उमेश के परिवारवालों को अंगदान की सलाह दी, जिस पर वे सहमत हो गए। इसके बाद युद्धस्तर पर अस्पताल में सभी इंतजाम किए गए। उमेश के शरीर को पुनरू जांच की गई इसके बाद छह लोगों की जिंदगी बदल गई। और उनके शरीर के 6 अंगों को निकाला गया। शहर के कोर अस्पताल में हृदय प्रत्यारोपण किया गया। वहीं उनके लीवर को सांबरा एयपोर्ट से एयरलिप्ट कर बेंगलुरु भेजा गया। एक किडनी को ग्रीन कॉरिडोर के जरिए धारवाड़ के एसडीएम हॉस्पिटल और दूसरी किडनी को हुबली के तत्वदर्श अस्पताल में भेजा गया, जहां सभी जरूरतमंत मरीजों में सफलतापूर्वक अंग प्रत्यारोपण किया गया। इसके अलावा उनकी आंखों ने दो लोगों को रोशनी दी। उमेश के शरीर से हृदय, लीवर और किडनी निकालने की पूरी कवायद और उन्हें दूसरे अस्पताल में ले जाने और अंग प्रत्यारोपण में कुल मिलाकर 6 घंटे का समय लगा।

पंजाब के बाद अब 'आप' की नजर राजस्थान पर टिकी

नई दिल्ली । पंजाब विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का किला ढ़हाने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) अन्य राज्यों में भी विस्तार करने की तैयारी में है। आप ने गुजरात, हिमाचल के साथ राजस्थान में अपने संगठन को मजबूत करने की तैयारी शुरू की है, जहां 2023 में विधानसभा चुनाव हैं। इस सिलसिले में 26 मार्च को राजस्थान के पार्टी प्रभारी संजय सिंह राजस्थान की यात्रा पर भी जा रहे हैं।

आप नेता देवेंद्र शास्त्री ने बताया, 'राजस्थान में काफी परिस्थितियां पंजाब जैसी ही हैं। पंजाब का यह पड़ोसी राज्य उसी की तरह अब तक दो पार्टियों के बीच ही झूल रहा है। भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस। लोगों के पास चुनाव के लिए तीसरा कोई प्रभावी विकल्प ही नहीं है। इसीलिए हमें अपने लिए संभावनाएं बेहतर नजर आ रही हैं।' बताते हैं कि सिंह की यात्रा के दौरान सदस्यता अभियान तेज करने, जिला इकाईयों के पुनर्गठन आदि की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। साथ ही, इस पर भी विचार–विमर्श किया जाएगा कि पार्टी राजस्थान की सभी 200 सीटों पर चुनाव लड़े या कुछ चुनिंदा इलाकों से ही। सूत्र यह भी बताते हैं कि संजय सिंह राजस्थान प्रभारी के तौर पर अपनी जिम्मेदारी छोड़ सकते हैं। ताकि वे पूरी तरह उत्तर प्रदेश पर ध्यान दे सकें। उनकी जगह पार्टी एक बजाय दो–तीन नेताओं को राजस्थान का प्रभारी बना सकती है।

धामी के राजतिलक की तैयारी में जुटे प्रशासनिक अधिकारी

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में सीएम को लेकर सस्पेंस खत्म हो गया है, अब नए सीएम के नाम पर मुहर भी लग गई है। ऐसे में शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी को लेकर व पुष्कर सिंह धामी के राजतिलक की तैयारी में प्रशासनिक अधिकारी जुट गए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी डॉ. आर राजेश कुमार, डीआईजी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जन्मेजय खंडूरी ने रात को शपथ ग्रहण समारोह के आयोजन स्थल परेड ग्राउंड का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

अलग-अलग स्थानो से तीन दुपहिया चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने तीन विभिन्न स्थानों से तीन दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू कालोनी निवासी रजत भाम्बरी ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह आराघर में मोबाइल ठीक कराने गया था तथा उसने अपनी मोटरसाईकिल दुकान के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह बाहर आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी।

वहीं चुक्खुवाला निवासी रिंकू सोनकर पुत्र श्रवण सोनकर ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से चकराता रोड पर गया था तथा उसने अपनी मोटरसाईकिल देसी शराब के ठेके के पास खडी की थी। लेकिन जब वह वापस आया तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। वहीं चुक्खुवाला निवासी रामचन्द्र सिंह पंवार ने भी अपनी मोटरसाईकिल चोरी होने का मुकदमा कोतवाली में दर्ज कराया। पुलिस ने तीनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घरेलू गैस एंव पैट्रोल के दामों में वृद्धि चिंताजनकः जोशी

देहरादून (विशेष संवाददाता)। कांग्रेस नेता महेश जोशी ने घरेलू गैस के दामों में पचास रुपए और पैट्रोल के दाम में अस्सी पैसे की वृद्धि पर चिंता व्यक्त की गयी। उन्होंने कहा कि भाजपा जनता से झूठ प्रपंच और उनकी भावनाओं से खिलवाड़ कर पुनः सत्तासीन हुई है, और जनता को जीत के तोहफे के रूप में गैस के दामों में पुनः वृद्धि की जो चिंताजनक है। उन्होने कहा कि भाजपा जनता पर लगातार महंगाई के चाबुक से प्रहार कर रही है और उस पर भावनात्मक मरहम लगा रही है जिसको जनता नही समझ पा रही है। जिन महिलाओ ने भाजपा को विजय दिलाई उनके सम्मुख गृहस्थी चलाने की दिक्कतें बढ़ गई है जिससे उनके ऊपर दोहरी मार पड़ रही है। कहा कि कांग्रेस लगातार जन हित के प्रति सचेत रह कर सड़क से सदन तक संघर्ष रत रही है। जनता ने विपक्ष में बैठने का जनादेश दिया है जिसे कांग्रेस स्वीकार कर जन हितों को संघर्ष जारी रखेगी और सरकार को घेरने का कार्य करेगी।

नशे में धुत्त चौकी प्रभारी का हंगामा, संस्पेंड

नैनीताल (हमारे संवाददाता)। नशे में धुत्त चौकी प्रभारी द्वारा चौकी पहुंच कर सिपाहियों को धमकाया गया और गाली गलौज की गयी। सिपाहियों ने जब आलाधिकारियों से इस मामले की शिकायत की गयी तो उन्होने उसका मेडिकल कराकर उसे संस्पेड कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार हल्द्वानी क्षेत्र के हीरानगर चौकी इंचार्ज ललित कुमार पांडेय बीते रोज नशे में धुत्त होकर चौकी पहुंच गये और सिपाहियों पर रौब जताने लगे। इस दौरान चौकी में मौजूद सिपाहियों द्वारा जब इस पर आपत्ति जतायी गयी तो वह क्रोधित होकर उनके साथ गाली गलौज करने लगे। बताया जा रहा है कि सिपाहियों ने जब इस घटना की जानकारी आलाधिकारियों को दी तो आनन–फानन में कोतवाली से कुछ और सिपाही मौके पर पहुंचे और ललित कुमार को मेडिकल करा दिया। दिन दहाड़े चौकी इंचार्ज के शराब पीकर हंगामा करने का पता चलते ही एसएसपी पकंज भट्ट द्वारा सीओ सिटी भूपेन्द्र धौनी से मामले की रिपोर्ट मांगी गयी। मामला सही पाये जाने पर एसएसपी द्वारा चौकी इंचार्ज ललित कुमार को संस्पेंड कर दिया गया है।

मोबाइल फोन का हो रहा है दुरूपयोग

संवाददाता

देहरादून। मोबाइल फोन का खुलकर दुरूपयोग होने लगा है, जहां ठग इसके माध्यम से लाभ उठा रहे हैं तो वहीं छिछोरे इससे महिलाओं व युवतियों को परेशान करते हैं।

गौरतलब है कि आज के युग में मोबाइल फोन इंसान की कमजोरी बनता जा रहा है। जिस व्यक्ति के पास मोबाइल नहीं है उसको अनपढ व जाहिल समझा जाता है। जबकि सबसे सुखी व्यक्ति ही समाज में वहीं होता है जिसके पास मोबाइल की सुविधा नहीं होती है। मोबाइल फोन आने से जहां आपस की दूरियां कम हुई हैं तो इसके नुकसान भी अब दिखायी देने लगे हैं। वहीं मोबाइल ने इंसान को झूठ बोलना भी सीखा दिया अगर किसी का फोन आया और वह आदमी काम का नहीं है या उससे मिलने की इच्छा नहीं है तो आदमी साफ कह देता है कि वह अभी बाहर है तथा एक दो दिन बाद शहर में आयेगा। पूर्व में जब मोबाइल फोन का चलन शुरू हुआ था तो कुछ लोगों ने महिलाओं को फोन कर उनको तंग करना शुरू कर दिया था इससे उनको मजा आता था कि कोई महिला परेशान हो रही है। लेकिन जब कुछ लोगों को पुलिस ने पकड कर उनके खिलाफ मुकदमें दर्ज किये तो यह घटनाएं कम हो गयी। लेकिन मोबाइल पर जब से व्हटसएप व फेसबुक चलना शुरू हुआ तो ठगों व छिछोरों की जैसे मोज आ गयी। जहां फेसबुक पर कई लडके लडकी के नाम से अपनी आईडी बनाकर दूसरे लडकों के साथ चेटिग करते है तथा उनको बेवकूफ बनाते हैं तो वहीं कुछ युवक युवतियों के साथ फेसबुक पर मित्रता कर उनका लाभ उठाते है यहीं नहीं अब तो युवतियों की अश्लील फोटो अपलोड कर उनको ब्लैकमेल करने की घटनाएं भी तेजी से बढी हैं। जिसपर कई मुकदमें भी दर्ज हुए हैं।

छिछोरे जहां युवतियों व महिलाओं को तंग करते हैं तो वहीं ठगों ने भी इसको अपना हथियार बना लिया है। आये दिन यह सूचनाएं मिलती रहती हैं कि ठगों ने मोबाइल पर फोन कर फलां व्यक्ति को फलां लालच देकर उससे रूपये ठग लिये हैं। अब तो ठगों ने नया पैतरा सीख लिया है कि आप अपना केवाईसी एप डाउनलोड करो और जैसे ही मोबाइल धारक ऐसा करता है तो उसके खाते से लाखों रूपया गायब हो जाता है। यह घटनाएं आम हो चुकी है लेकिन उसके बावजूद भी लोग ठगों के मायाजाल में फंस जाते हैं। जहां एक ओर मोबाइल आम इंसान के लिए सुविधाजनक बन गया है तो वहीं इससे नुकसान भी बहुत होने लगे हैं। जोकि काफी चिन्ता का विषय बनता जा रहा है। अब तो आमजन को ही सावधान होना होगा कि मोबाइल को अपनी ताकत बनाना है या फिर कमजोरी?

अब खत्म हो यूक्रेन-संकट

वेद प्रताप वैदिक

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन के इस दावे का यूक्रेन ने खंडन कर दिया है कि रूस-यूक्रेन वार्ता में कुछ प्रगति हुई है। इधर तुर्की में रूस और यूक्रेन के विदेश मंत्रियों के बीच पिछले तीन दिनों से बराबर संवाद चल रहा है। जब यूक्रेन पर रूस का हमला शुरु हुआ था तो ऐसा लग रहा था कि दो-तीन दिन में ही झेलेंस्की-सरकार धराशायी हो जाएगी और यूक्रेन पर रूस का कब्जा हो जाएगा लेकिन दो हफ्तों के बावजूद यूक्रेन ने अभी तक घुटने नहीं टेके हैं। उसके सैनिक और सामान्य नागरिक रूसी फौजियों का मुकाबला कर रहे हैं। इस बीच सैकड़ों रूसी सैनिक मारे गए हैं और उसके दर्जनों वायुयान तथा अस्त्र-शस्त्र मार गिराए गए हैं। यूक्रेनी लोग भी मर रहे हैं और कई भवन भी धराशायी हो गए हैं। यूक्रेन का इतना विध्वंस हुआ है कि उससे पार पाने में उसे कई वर्ष लगेंगे। अमेरिका और यूरोपीय राष्ट्र उसकी क्षति-पूर्ति के लिए करोड़ों-अरबों डॉलर दे रहे हैं। रूसी जनता को भी समझ में नहीं आ रहा है कि इस हमले को पूतिन इतना लंबा क्यों खींच रहे हैं? जब झेलेंस्की ने नाटो से अपने मोहभंग की घोषणा कर दी है और यह भी कह दिया है कि यूक्रेन नाटो में शामिल नहीं होगा तो फिर अब बचा क्या है? पूतिन अब भी क्यों अड़े हुए हैं? शायद वे चाहते हैं कि नाटो के महासचिव खुद यह घोषणा करें कि यूक्रेन को वे नाटो में शामिल नहीं करेंगे। इस झगड़े की जड़ नाटो ही है। नाटो के सदस्य यूक्रेन की मदद कर रहे हैं, यह तो अच्छी बात है लेकिन वे अपनी नाक नीची नहीं होना देना चाहते हैं। उन्हें डर है कि यदि नाटो ने अपने कूटनीतिक हथियार डाल दिए तो उसका असर उन राष्ट्रों पर काफी गहरा पड़ेगा, जो पूर्वी यूरोप और सोवियत संघ के हिस्सा थे। लेकिन अमेरिका और नाटो अब भी संकोच करेंगे तो यह हमला और इसका प्रतिशोध लंबा खिंच जाएगा, जिसका बुरा असर सारी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। यूरोपीय राष्ट्रों को अभी तक रूसी गैस और तेल मिलता जा रहा है। उसके बंद होते ही उनकी अर्थव्यवस्था लंगड़ाने लगेगी। एशियाई और अफ्रीकी राष्ट्र भी उससे प्रभावित हुए बिना नहीं रहेंगे। जहां तक रूस का सवाल है, उसकी भी दाल पतली हो जाएगी। पूतिन के खिलाफ रूस के शहरों में प्रदर्शन होने शुरु हो गए हैं। प्रचारतंत्र पर तरह-तरह के प्रतिबंध लग गए हैं। पूतिन ने यूक्रेन में युद्धरत आठ कमांडरों को बर्खास्त कर दिया है। पूतिन को यह समझ में आ गया है कि यूक्रेन पर रूसी कब्जा बहुत मंहगा पड़ेगा। कीव में थोपी गई कठपुतली सरकार ज्यादा कुछ नहीं कर पाएगी। खुद पूतिन की लोकप्रियता को रूस में धक्का लगेगा। यूक्रेन में होनेवाली फजीहत का असर मध्य एशिया के गणतंत्रों के साथ रूस के संबंधों पर भी पड़ेगा। यूक्रेनी संकट के समारोप का यह बिल्कुल सही समय है। रूसी और अमेरिकी खेमों, दोनों को अब यह सबक सीखना होगा कि एक फर्जी मुद्दे को लेकर इतना खतरनाक खेल खेलना उचित नहीं है।

सुर बदला, रुख नहीं

यह साफ है कि चीन की चिंता इस समय अमेरिका और पश्चिमी खेमे को कमजोर करने की है। वैसे में अगर भारत और पश्चिमी खेमे में थोड़ी भी दूरी बनती है, तो यह उसके माफिक बैठता है। चीनी मीडिया ने इस संदर्भ कहा कि भारत एक 'आत्म-सम्मान' वाला देश है, जो पश्चिमी दबाव में नहीं आएगा। भारत और चीन के सैन्य कमांडरों की वार्ता के 15वें दौर में बात तो आगे नहीं बढ़ी, लेकिन माहौल जरूर बदला हुआ नजर आया। खास कर चीन का सुर बदला हुआ है। हालांकि चीन ने कहीं यह संकेत नहीं दिया है कि अप्रैल 2020 में लद्दाख क्षेत्र में चीनी फौज की भारतीय इलाके में घुसपैठ को वापस लेने के लिए वह तैयार हो सकता है, लेकिन उसके सरकारी मीडिया में वार्ता की सकारात्मक तस्वीर पेश की गई। स्पष्टत: इस बदलाव का कारण यूक्रेन युद्ध है। इस मामले में रूस की निंदा ना कर भारत ने अपने को उन देशों में शामिल किया, जिन्हें तटस्थ समझा गया है। पश्चिमी मीडिया में तो यहां तक कहा गया कि इस मसले पर भारत, चीन और पाकिस्तान एक जगह खड़े दिख रहे हैँ। यह साफ है कि चीन की चिंता इस समय अमेरिका और पश्चिमी खेमे को कमजोर करने की है। वैसे में अगर भारत और पश्चिमी खेमे में थोड़ी भी दूरी बनती है, तो यह उसके माफिक बैठता है। चीनी मीडिया ने इस संदर्भ कहा कि भारत एक 'आत्म-सम्मान' वाला देश है, जो पश्चिमी दबाव में नहीं आएगा। यानी चीन का मकसद पश्चिमी खेमे और भारत के बीच बनी दूरी को बढ़ाना है। मगर इसके लिए वह सीमा विवाद पर अपने रुख में कोई नरमी नहीं बरतेगा, यह भी उसने साफ कर दिया है। तभी सरकारी मीडिया की टिप्पणियों में कहा गया कि सीमा के सवाल पर भारत ने हठी रवैया अपना रखा है, जबकि चीन का रुख है कि 1962 के युद्ध के बाद जो यथास्थिति बनी, पश्चिमी क्षेत्र में वही सीमा है। पश्चिमी क्षेत्र में अक्साई चिन और लद्दाख के एक बड़े इलाके पर चीन ने 1962 में कब्जा कर लिया था। अब वह भारत पर दबाव डाल रहा है कि भारत उसे स्थायी सीमा के रूप में स्वीकार कर ले। जबकि यही सिद्धांत वह पूरब में लागू नहीं करना चाहता, जहां अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा लगातार ठोकता जा रहा है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

लकड़ी के फर्नीचर को चमकाने के लिए घर पर बनाएं पॉलिश, आसान है बनाना

लकड़ी का फर्नीचर भले ही कितना ही महंगा क्यों न हो, एक समय के बाद उसकी चमक फीकी पड़ने ही लगती है, इसलिए इसे समय-समय पर साफ करने के साथ पॉलिश करना जरूरी है। अमूमन लोग लकड़ी के फर्नीचर की पॉलिश को बाजार से खरीदते हैं, लेकिन आप चाहें तो घर पर ही पॉलिश बनाकर उसका इस्तेमाल करके अपने लकड़ी के फर्नीचर को चमका सकते हैं। आइए आज कुछ लकड़ी के फर्नीचर की पॉलिश बनाने का तरीका जानते हैं।

सफेद सिरके और जैतून के तेल का मिश्रण लकड़ी के फर्नीचर को पॉलिश करने में मदद कर सकता है। पॉलिश बनाने के लिए सबसे पहले एक बड़े कटोरे में एक कप जैतून का तेल और आधा कप सफेद सिरके को मिलाएं, फिर इस मिश्रण से एक सॉफ्ट कपड़े को भिगोकर अपने लकड़ी के फर्नीचर पर हल्के हाथों से मलते हुए लगाएं। इसके बाद पॉलिश को सूखने दें और जब सूख जाए तो इस पर पॉलिश का एक और कोट लगाएं।

आप चाहें तो अपने लकड़ी के फर्नीचर को पॉलिश करने के लिए नारियल के तेल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए एक सॉफ्ट कपड़े पर नारियल का तेल डालें, फिर इसे लकड़ी के फर्नीचर पर हल्के हाथों से इस तरह रगड़े, जिस तरह फर्नीचर को पॉलिश किया जाता है। यकिन मानिए इससे लकड़ी के फर्नीचर की न सिर्फ चमक बढ़ेगी बल्कि गंदगी भी दूर हो जाएगी।

बीजवैक्स और जैतून के तेल से बनी पॉलिश भी लकड़ी के फर्नीचर को चमका सकती है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले बीजवैक्स को पिघलाएं, फिर इसे एक कटोरे में जैतून के तेल के साथ मिलाएं और जब यह मिश्रण हल्का ठंडा हो जाए तो इसे लकड़ी के फर्नीचर पर डालें। इसके बाद फर्नीचर पर एक मुलायम कपड़ा सर्कुलेशन मोशन पर फेरें ताकि बीजवैक्स वाला मिश्रण अच्छे से पूरे फर्नीचर पर लग जाए।

नींबू और जैतून के तेल की पॉलिश

नींबू और जैतून के तेल की पॉलिश बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरे में एक कप जैतून का तेल और आधा कप नींबू का रस डालकर अच्छे से मिलाएं। अब इस मिश्रण में एक सॉफ्ट कपड़ा भिगोएं और उसे लकड़ी के फर्नीचर पर हल्के हाथों से फेरें और जब पॉलिश का यह कोट सूख जाए तो फर्नीचर पर पॉलिश का दूसरा कोट लगाएं। इससे आपका लकड़ी वाला फर्नीचर एकदम नए जैसा लगने लगेगा।

ओटीटी पर रिलीज होगी विक्रम प्रभु की फिल्म तानाक्करन

निर्देशक तमीज की बहुप्रतीक्षित एक्शन ड्रामा तानाक्करन, जिसमें अभिनेता विक्रम प्रभु, अंजलि नायर और लाल मुख्य भूमिका में हैं, डिज्नी प्लस हॉटस्टार तमिल पर रिलीज होगी। इंस्टाग्राम पर ले जाते हुए, अभिनेता विक्रम प्रभु ने फिल्म का एक पोस्टर डाला और कहा कि हियर यू गो, तानाक्करन जल्द ही डिज्नी प्लस हॉटस्टार तमिल पर रिलीज होगी।

फिल्म ने कई कारणों से बड़ी उम्मीदें जगाई हैं। प्राथमिक कारणों में से एक यह है कि इसे तमीज द्वारा निर्देशित किया गया है, जिन्होंने समीक्षकों द्वारा प्रशंसित कोर्ट रूम ड्रामा, जय भीम में प्रतिपक्षी (एक पुलिस अधिकारी) की भूमिका निभाई थी।

कम ही लोग जानते हैं कि निर्देशक तमीज फिल्म निर्देशक बनने से पहले एक पुलिस अधिकारी थे।

तमीज ने बताया था कि मैं लगभग 12 वर्षों तक एक पुलिसकर्मी था। मैंने तिहाड़ सहित कई जगहों पर सेवा की है। 2014 में, मैंने फिल्मों में प्रवेश करने के लिए अपनी नौकरी छोड़ दी थी।

तानाक्करन एक पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज की कहानी है। लाल पुलिस प्रशिक्षण अकादमी में एक प्रशिक्षक की भूमिका निभा रहे हैं, और विक्रम प्रभु एक कैडेट की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म के ट्रेलर ने प्रशंसकों के बीच फिल्म को लेकर काफी दिलचस्पी पैदा कर दी है।

फिल्म के पिछले साल दिसंबर में स्क्रीन पर आने की उम्मीद थी। हालांकि, यह अब ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार तमिल पर रिलीज हो रही है।

शब्द सामर्थ्य - 73

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

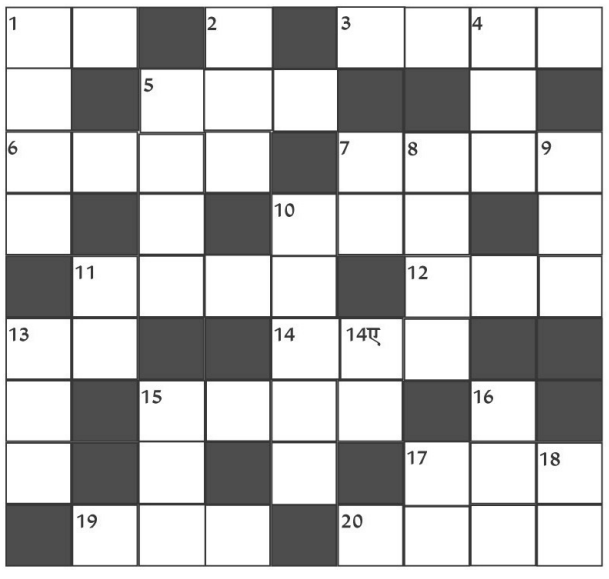

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 72 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्ब			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		र्दा		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

सामने आई मिशन मजनू की नई रिलीज डेट

अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा और अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की आने वाली मूवी मिशन मजनू की रिलीज डेट भी तय की जा चुकी है।

इस मूवी को रॉनी स्क्रूवाला की आरएसवीपी और गिल्टी बाय एसोसिएशन ने मिलकर बना रहे है। ऐसे में ये मूवी अब 10 जून 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज की जाने वाली है। ख़बरों की माने तो मूवी की रिलीज डेट से जुड़ी इस खबर को आरएसवीपी और गिल्टी बाय एसोसिएशन का समर्थन करने वाले प्रोडक्शन हाउस ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर सबके साथ शेयर कर दिया है।

वहीं, शांतनु बागची द्वारा निर्देशित मिशन मंजनू की स्टोरी दिलचस्प ढंग से 1970 के दशक में स्थापित जासूसी थ्रिलर है, इसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा एक रॉ एजेंट की भूमिका को अदा कर रहे है, जो पाकिस्तानी धरती पर एक गुप्त ऑपरेशन का नेतृत्व भी कर रहा है। आपको बता दें कि यह मूवी इंडिया की स्वीटहार्ट रश्मिका मंदाना की हिंदी डेब्यू मूवी भी है। अपनी इस फिल्म के साथ शांतनु बागची, सिद्धार्थ और रश्मिका की नई जोड़ी को दर्शकों के लिए लेकर आने वाले है। वहीं खास बात यह भी है कि सिद्धार्थ की पिछली हिट शेरशाह और रश्मिका की धमाकेरदार ब्लॉकबस्टर पुष्पा के उपरांत, अब दोनों को एक साथ सिल्वर पर धूम मचाते देखना खास कहा जा रहा है।

रॉनी स्क्रूवाला (आरएसवीपी) अमर बुटाला और गरिमा मेहता (गिल्टी बाय एसोसिएशन मीडिया) द्वारा निर्मित इस मूवी को परवेज शेख, असीम अरोरा और सुमित बथेजा द्वारा लिख चुके है। जबकि शांतनु बागची द्वारा निर्देशित, मिशन मजनू में सिद्धार्थ मल्होत्रा, रश्मिका मंदाना, शारिब हाशमी और कुमुद मिश्रा लीड रोल में दिखाई देने वाले है।

बॉलीवुड के बाद अब हॉलीवुड में काम करना चाह रही है अनन्या पांडे

अनन्या पांडे इन दिनों अपनी मूवी गहराइयां को लेकर हर दिन चर्चाओं में बनी रहती है. मूवी में उनकी एक्टिंग की बहुत तारीफ हो रही है. अब बॉलीवुड में अपने लिए स्थान बनाने के उपरांत अनन्या अपने पंख और फैलाना चाह रही है. अनन्या ने दरअसल, स्पाइडर मैन एक्टर जेंदया के बारे में बात की और बोला है, मैं भी उनकी तरह काम करना चाह रही हूं. उनके जैसा किरदार करके कुछ नया एक्सप्लोर करना चाह रही हैं.

रिपोर्ट्स के अनुसार अनन्या ने आगे हॉलीवुड में अभिनय करने को लेकर बोला है कि अगर मुझे आने वाले वक़्त में हॉलीवुड में काम करने के लिए ऑडिशन देना पड़ा तो मैं अवश्य करने वाली हूं. पूरी दुनिया में काम करने का मौका मिलना बहुत मजेदार होता है. ओटीटी के जरिए दुनिया बहुत छोटी हो गई है और अब आप किसी भी भाषा और सिनेमा में एक्सेस कर पाएंगे.

ख़बरों की माने तो अनन्या के पास अभी लाइगर और खो हए हम कहां जैसी मूवी हैं. लाइगर के माध्यम से अनन्या, साउथ के स्टार विजय देवरकोंडा के साथ काम करने जा रही है. विजय का ये बॉलीवुड डेब्यू होने वाला है. जिसके साथ ही पर्सनल लाइफ को लेकर भी अनन्या बहुत चर्चाओं में हैं. ऐसा कहा जा रहा है कि अनन्या और ईशान खट्टर एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं.

शहजादा के एक और शेड्यूल का हुआ रैप, कार्तिक आर्यन ने दी जानकारी

कार्तिक आर्यन और कृति सेनन पिछले कुछ महीनों से अपनी अपकमिंग फिल्म शहजादा की शूटिंग कर रहे हैं, लेकिन अब जानकारी सामने आयीं है कि उन्होंने अपनी इस फिल्म के एक और शेड्यूल को पूरा कर लिया है, जिसके बारे में कार्तिक ने खुद बताया है।

जैसा कि अभिनेता कार्तिक सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं और फैंस को अपने एक से एक बेहतरीन पोस्ट से एंटरटेन करते रहते हैं, वहीं साथ ही साथ अपने प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी खबरें भी शेयर करते रहते हैं।

कार्तिक ने सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वे अभिनेत्री कृति सेनन के साथ नजर आ रहें हैं। इस फोटो के साथ अभिनेता ने कैप्शन लिखा, एक और शेड्यूल रैप हुए। #शहजादा।

कार्तिक के इस पोस्ट पर फैंस से लेकर बॉलीवुड सेलेब्स तक अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। मालूम हो कि अभी हाल ही में कार्तिक और कृति दोनों ने शहजादा के सेट पर ही अपनी फिल्म लुका छिपी के तीन साल पूरे होने का जश्न मनाया था, जिसकी तस्वीरें भी दोनों ने साझा की थी।

कृति और कार्तिक के अलावा इस फिल्म में परेश रावल, मनीषा कोइराला, रोनित रॉय और सचिन खेडेकर भी अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे। शहजादा को रोहित धवन डायरेक्ट कर रहे हैं। जबकि इसे भूषण कुमार, अल्लू अरविंद और अमन गिल प्रोड्यूस कर रहें हैं। फिल्म 4 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कैटरीना कैफ ने शुरू की फिल्म मैरी क्रिसमस की शूटिंग

एक्ट्रेस कैटरीना कैफ हाल ही में अपनी फिल्म टाइगर 3 की शूटिंग खत्म करके वापस आयीं थी, और इसके तुरंत बाद ही उन्होंने अपनी एक नई फिल्म मैरी क्रिसमस की शूटिंग शुरू कर दी है। अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया पर फिल्म मैरी क्रिसमस के सेट से एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें फिल्म का क्लैपबोर्ड रखा दिखाई दे रहा है। अपने इस पोस्ट के जरिये अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने शूटिंग शुरू कर दी है।

इस फिल्म में कैटरीना कैफ के साथ साउथ के सुपरस्टार विजय सेतुपति नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन श्रीराम राघवन कर रहे हैं। हालांकि फिल्म की कहानी को लेकर मेकर्स ने अभी कुछ रिवील नहीं किया है, लेकिन विजय सेतुपति और कैटरीना को एकसाथ पर्दे पर देखना बहुत ही खास होने वाला है।

बता दें कि कैटरीना कैफ ने पिछले साल दिसंबर महीने में अपनी इस नई फिल्म का ऐलान किया था।

फिल्म का ऐलान करते हुए उन्होंने लिखा था, नई शुरुआत.... श्रीराम राघवन सर के साथ मैरी क्रिसमस के सेट पर वापस आ गई हूं....मैं हमेशा ही श्रीराम सर के साथ काम करना चाहती थी, जब भी थ्रिलर को पर्दे पर दिखाने की बात आती है तो वह एक मास्टर हैं। उनके साथ जुड़ने के लिए बहुत एक्साइटेड हूं।

फिल्म को रमेश तौरानी की टिप्स इंडस्ट्रीज मैचबॉक्स पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रोड्यूस किया जा रहा है। कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति की यह फिल्म इसी साल क्रिसमस पर सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

जल्द होगा शुरु फिल्म आरआरआर का धुआंधार प्रचार

आगामी फिल्म आरआरआर के निर्माता राजामौली के निर्देशन के लिए प्रचार शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं। एल्बम से एक नए एकल के आने की घोषणा आधिकारिक कर दी गई है। राम चरण, जूनियर एनटीआर, और आलिया भट्ट-स्टारर आरआरआर का अगला सिंगल तेलुगु में एथारा जेंडा है, जबकि हिंदी में इसका शीर्षक शोले है। निर्माताओं ने 14 मार्च को गाने को रिलीज करने की घोषणा की है।

गाने के रिलीज होने के बाद, निर्माता मीडिया से बातचीत करेंगे, क्योंकि एक भव्य प्री-रिलीज कार्यक्रम की योजना बनाई जा रही है। एक कार्यक्रम दुबई में होगा, उसके बाद बेंगलुरू में होगा। कार्यक्रम में कलाकार बहुप्रतीक्षित फिल्म का प्रचार करेंगे।

इस बीच, राम चरण, जूनियर एनटीआर और राजामौली भी आक्रामक प्रचार अभियान के एक हिस्से के रूप में राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मीडिया आउटलेट्स को कई साक्षात्कार देंगे।

25 मार्च को आरआरआर कई भाषाओं में दुनियाभर में रिलीज होगी।

रेड ड्रेस में अवनीत ने बढ़ाया इंटरनेट का तापमान

अलादीन फेम अभिनेत्री अवनीत कौर मोस्ट स्टाइलिश और फैशनेबल डिजिटल डीवाज में शुमार की जा चुकी है. इंटरनेट सेंसेशन अवनीत कौर के सुपर सिजलिंग लुक्स इंस्टाग्राम पर बने है. यूथ के बीच एक्ट्रेस की तगड़ी फैन फॉलोइंग है. अवनीत के

हर पोस्ट का फैंस बेसब्री से प्रतीक्षा करते हैं. अलादीन से चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर अपने अभिनय से फैंस का दिल जीतने वाली अवनीत कौर आज इंटरनेट की दुनिया का बड़ा नाम बन गई है. अवनीत का सुपर ग्लैमरस स्टाइल स्टेटमेंट फैंस को दीवाना कर देता है. अब एक बार फिर अभिनेत्री ने रेड सेक्सी ड्रेस में अपने नए फोटोशूट की फोटोज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा की हैं. अवनीत को रेड बोल्ड ड्रेस में देखकर फैंस उनपर फिदा हो चुके है. फोटोशूट की नई फोटोज में अवनीत कौर हल्टर नेक स्टाइल की रेड थाई हाई स्लिट ड्रेस में दिखाई दे रही है. अवनीत की ड्रेस के फ्रंट पर कटआउट डिजाइन उनके आउटफिट को बोल्ड लुक दे रही है. रेड ड्रेस संग रेड लिपस्टिक लगाकर अवनीत ने अपने लुक को पूरा किया हुआ है. आईलाइनर, मस्कारा और ब्लशर की मदद से अभिनेत्री ने अपने मेकअप लुक को खास बना रखा है. अवनीत रेड ड्रेस लुक में डीवा लग रही हैं. इस लुक में अभिनेत्री ने अपने कई सारे फोटोज शेयर किए हैं. हर फोटो में अभिनेत्री का किलर लुक और इंटेंस एक्सप्रेशंस किसी की भी धड़कनों को और भी ज्यादा बढ़ा दिया है.

इमरान हाशमी ने शुरू की फिल्म सेल्फी की शूटिंग

पहली बार बड़े पर्दे पर जबरजस्त धमाका होने वाला है, क्योंकि इमरान हाशमी और अक्षय कुमार एकसाथ स्क्रीन शेयर करने वाले है। इस फिल्म की अनाउंसमेंट इसी साल जनवरी महीने में की गईं थीं और अब आज से इसकी शूटिंग भी शुरू हो चुकीं है।

एक्टर इमरान हाशमी ने फिल्म की शूटिंग शुरू होने की जानकारी दी। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया और साथ ही साथ इंस्टाग्राम की स्टोरी में भी फिल्म के क्लैपबोर्ड की तस्वीर शेयर की।

इंस्टाग्राम पोस्ट में अपनी सेल्फी शेयर करते हुए अभिनेता ने लिखा, #सेल्फी टाइम। वहीं इंस्टाग्राम की स्टोरी में फिल्म के क्लैपबोर्ड की तस्वीर साझा करते हुए भी कैप्शन में सेल्फी लिखा है।

बता दें की कुछ महीने पहले ही प्रोड्यूसर करण जौहर ने फिल्म सेल्फी की घोषणा अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर की थी, जिसके साथ ही उन्होंने फिल्म का टीज़र भी जारी किया था, जिसमें इमरान और अक्षय का धमाकेदार डांस देखने को मिल रहा है। अक्षय कुमार और इमरान हाशमी की ये फिल्म आपको एंटरटेनमेंट, लॉफ्टर और इमोशन की जर्नी पर ले जाएगी। यह एक ड्रामा-कॉमेडी फिल्म है, जो कि मलयालम की सुपरहिट फिल्म ड्राइविंग लाइसेंस का हिंदी रीमेक है। इस फिल्म को राज मेहता डायरेक्ट कर रहे हैं। सेल्फी को करण जौहर की कंपनी धर्मा प्रोडक्शन प्रोड्यूस करेगी। यह फिल्म साल 2022 में बॉक्स ऑफिस पर दस्तक देगी।

कॉर्पोरेट के मुनाफा लालच से बढ़ती महंगाई

देविंदर शर्मा

आज जबकि खुदरा मुद्रास्फीति अनुपात से बाहर होकर डोल रही है, दुनिया नया अचंभा देख रही है। यूं तो कई तरीकों से इसका पता पहले भी था, लेकिन इतने उघड़े रूप में नहीं। मुद्रास्फीति बढ़ने के साथ कंपनियों का मुनाफा बढ़ रहा है, इस बार की वृद्धि ऐतिहासिक है। कंपनियों का फायदा बढ़ने के साथ ही मुख्य कार्यकारी या शीर्ष अधिकारी अपने वेतन में भारी इजाफा, शेयरों की पुन: खरीद और लाभांश भुगतान में वृद्धि पा रहे हैं।

कंपनियां कहती हैं कि वे इस बाबत कुछ नहीं कर सकतीं, उपभोक्ता को बताया जा रहा है कि 'असामान्य मुद्रास्फीति' कामगारों की वेतन-वृद्धि और उत्पादन मूल्य में अनाप-शनाप इजाफे से बनी है। इससे कोई इंकार नहीं कि कोरोना महामारी ने आपूर्ति श्रृंखला बाधित की है, लेकिन मुद्रास्फीति में जो ऊंचा और सतत उछाल आया है, वह मांग-आपूर्ति के सरल समीकरण वाली विद्रूपता को भी झुठला रहा है। यह बताने से ज्यादा छिपा रहा है।

जनवरी माह में अमेरिका में खुदरा मुद्रास्फीति पिछले 40 सालों में सर्वोच्च यानी 7.5 फीसदी रही। यूके में यह दर पहले ही 5.4 प्रतिशत होकर पिछले 30 सालों की उच्चतम है और बैंक ऑफ इंग्लैंड ने अप्रैल तक इसे 7.1 फीसदी छूने की चेतावनी दी है। जबकि भारत में भी खुदरा मुद्रास्फीति 6.1 प्रतिशत हो चुकी है, यह डर पहले ही है कि आयात-मुद्रास्फीति से उपभोक्ता वस्तु मूल्य और ऊपर उठेंगे। आर्थिक सर्वे-2022 की चेतावनी है- 'भारत आयात-मुद्रास्फीति, खासकर ऊर्जा के ऊंचे वैश्विक मूल्यों के दुष्प्रभावों को लेकर सचेत रहे।'

इस बीच अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य पत्रिका द फाइनेंशियल टाइम्स के 7 फरवरी अंक में एक शीर्षक ने मेरा ध्याना खींचा- 'टायसन को मुद्रास्फीति से लगाव है।' इसने मुझे हैरान कर छोड़ा कि आज जो ऊंची मुद्रास्फीति विश्वभर में है, क्या वह बस से बाहर आर्थिक कारणों की वजह से है या फिर कॉर्पोरेट्स के लालच को मुद्रास्फीति का नया जामा पहनाकर पेश किया जा रहा रहा है।

मैं जितना ज्यादा गहरे उतरता गया, उतना साफ होता गया कि किस आसानी से लालच को मुद्रास्फीति का रूप दिया जा रहा है। यह समझने के लिए शुरुआत टायसन फूड्स से करते हैं जो कि अमेरिका के मांस बाजार के 85 फीसदी हिस्से पर काबिज 4 शीर्ष कंपनियों में एक है और जिन पर राष्ट्रपति बाइडेन ने 'आपदा में अवसर' पाने का इल्जाम पहले ही जड़ रखा हैं। फोर्ब्स पत्रिका के अन्य लेख के मुताबिक टायसन फूड्स 'खर्चा कम-कमाई ज्यादा' कर रही है। माना कि पशु-आहार और परिवहन शुल्क बढ़ा है, लेकिन यह भी तथ्य है कि टायसन फूड्स का परिचालन मुनाफा अंतर महामारी से पहले के मुकाबले दोगुणा हो गया है। जहां चारों पशु-मांस उत्पादक कंपनियों के शुद्ध लाभ ने 300 फीसदी की छलांग लगाई है वहीं खुदरा मांस मूल्य में भारी बढ़ोतरी हुई है, बीफ में यह इजाफा अमूमन 20 प्रतिशत हुआ। जबकि कंपनियों द्वारा पशुपालक को जंतु का देय-मूल्य पिछले 50 सालों में न्यूनतम है।

यदि आप बीयर पीते हैं तो यहां कुछ बुरी खबर है। गार्जियन अखबार का लेख बताता है कि यूरोप में लोकप्रिय ब्रांड हेनेकेन बीयर बिक्री में 4.3 फीसदी इजाफा हुआ, जिससे सकल लाभ 80 फीसदी दर्ज हुआ।

साल 2021 में मुनाफा रिकॉर्ड 2.26 बिलियन डॉलर रहा, तथापि कंपनी ने आगामी महीनों में मूल्य-वृद्धि की घोषणा की है। हालांकि, महामारी के पिछले 2 सालों के दौरान बीयर की कीमतें कई बार बढ़ाई हैं। इसी बीच कोबरा नामक अन्य लोकप्रिय बीयर ब्रांड ने भी उत्पादन मूल्य में वृद्धि होने का वास्ता देकर उपभोक्ता से अधिक दाम चुकाने को तैयार रहने को कहा है।

अब बात स्टारबक्स कंपनी की। जाहिर है यह केवल कॉफी न होकर, अहसास है, जिसकी कीमत आप अदा करते हैं। पिछले साल आखिरी तिमाही में कंपनी मुनाफे में 31 प्रतिशत वृद्धि हुई। वर्ष 2021 में स्टारबक्स अपनी आमदनी 8.1 बिलियन डॉलर से ज्यादा रहने के बावजूद मूल्य बढ़ाना चाहती है। रोचक यह कि कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का वेतन-भत्ता 39 प्रतिशत इजाफे के साथ कुल मिलाकर 2.4 करोड़ डॉलर हो गया तो वहीं दुनियाभर के कॉफी उत्पादक किसान न्यूनतम आय वर्ग में आते हैं। पर कॉफी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों का वेतन और बोनस असीमित है। यह लाभ का निजीकरण और लागत का सामाजिक-करण करने जैसा है।

सीनेटर बर्नी सैंडर्स ने अपने ट्वीट में अन्य उदाहरण में कहा- 'कॉर्पोरेट्स लालच का आलम यह कि चिपोट्ले (मैस्किन रेस्त्रां चेन) का मुनाफा गत वर्ष की तुलना में 181 प्रतिशत वृद्धि पाकर 76.4 करोड़ डॉलर हो गया और मुख्य कार्यकारी अधिकारी की तनख्वाह 2020 की बनिस्बत 137 फीसदी बढ़ाकर 3.8 करोड़ डॉलर कर दी गई, तुर्रा यह कि कंपनी बुर्रीटो व्यंजन का दाम बढ़ाने के पीछे कारण सबसे छोटे कर्मी के वेतन में 50 सेंट की बढ़ोतरी ठहरा रही है। यह मुद्रास्फीति नहीं बल्कि 'मूल्य-चक्रवृद्धि' है'।

सिएट्ल स्थित क्रेडिट कार्ड प्रोसेसिंग कंपनी ग्रैविटी पेमेंट के संस्थापक डैन प्राइस ने अपने ट्वीट में न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट का हवाला देकर कहा, 'किराना वस्तुएं इतनी महंगी क्यों हैं? क्रोगर (अमेरिकी खुदरा वस्तु कंपनी) का मुनाफा रिकॉर्ड ऊंचाई पर है। स्टॉक मूल्य में गत एक साल में 36 फीसदी वृद्धि दर्ज हुई। मुख्य कार्यकारी अधिकारी का वेतन 45 फीसदी बढ़ोतरी के साथ 2.2 करोड़ डॉलर हो गया, जो कि एक मध्यम दर्जा कर्मी से 909 गुणा ज्यादा है। इस कंपनी के 75 फीसदी कर्मचारी भोजन-असुरक्षा से जूझ रहे हैं और 63 प्रतिशत अपने मासिक बिल चुकाने में असमर्थ हैं। बहुत से पेट भरने हेतु सरकारी सस्ती दर भोजन-कूपनों पर निर्भर हैं।'

सरल शब्दों में, कॉर्पोरेट्स के दिन इतने अच्छे दिन कभी न थे। रोजमर्रा का किराना हो या कॉफी, उपभोक्ता वस्तुओं से लेकर ईंधन तक, नेटफ्लिक्स और अमेज़ॉन प्राइम तक ने अपने मुनाफे में भारी बढ़ोतरी और न्यूनतम कर अदायगी के बावजूद शुल्क बढ़ा दिया है। बात ईंधन की करें तो मुख्य तेल कंपनियों- एक्सॉन मोबिल, ब्रिटिश पेट्रोलियम, शैल और शैवरोन- को पिछले 7 सालों में सबसे ज्यादा मुनाफा हुआ है, फिर भी कंपनियां उपभोक्ता से जो दाम डीज़ल-पेट्रोल के लिए वसूल रही हैं, उसे कम करने की बात आए तो खुद को असहाय बताती हैं। हैरानी की बात है कि रिपोर्ट्स बताती हैं कि लागत मूल्य में वृद्धि के बावजूद वर्ष 2021 की दूसरी तिमाही में अमेरिकी कॉर्पोरेट्स का मुनाफा बढ़कर रिकार्ड 2.8 ट्रिलियन डॉलर रहा। इसी तरह भारत में भी कॉर्पोरेट्स का लाभ बढ़ा। लेकिन जहां कामगार और गरीब वर्ग को बढ़ती मुद्रास्फीति की मार सहनी पड़ रही है, वहीं चोटी के 1 फीसदी अमीरों को इसका फायदा हो रहा है। इस साल लक्जरी नौका (याच) की बिक्री में 77 प्रतिशत का भारी उछाल आया है। फिर भी बाजार अर्थशास्त्रियों का एक वर्ग मुद्रास्फीति और कॉर्पोरेट्स लालच के बीच कोई संबंध निकालना पसंद नहीं करेगा, इस पर हमें और ज्यादा हैरानी नहीं होनी चाहिए।

लेखक खाद्य एवं कृषि मामलों के विशेषज्ञ हैं।

सू- दोकू क्र. 73

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.72का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5

लोकतंत्र का रंग

बेहद लंबे और कर्कशभरे चुनाव मंथन के बाद जो परिणाम सामने आये हैं, वे इस देश में तमाम विसंगतियों के बावजूद लोक की लोकतंत्र में आस्था को दर्शाते हैं। मोदी व केंद्र सरकार के भविष्य के लिये निर्णायक माने जा रहे उत्तर प्रदेश में अपनी पूरी ताकत झोंकने के बाद भाजपा ने मनमाफिक परिणाम पाया है। जनता ने योगी की झोली फिर पांच साल के लिये भर दी है। साथ ही देश के सबसे बड़े राज्य ने 2024 के लिये मोदी की उम्मीदों को नई परवाज दी है। इसी तरह उत्तराखंड में तमाम मिथकों को किनारे कर भाजपा की वापसी हुई है, लेकिन एक बार फिर मौजूदा मुख्यमंत्री चुनाव हारा है। बहरहाल, इस छोटे पर्वतीय राज्य में राजनीतिक अस्थिरता की आशंकाएं खत्म हुई हैं। वहीं कांग्रेसी दिग्गज हरीश रावत के राजनीतिक भविष्य पर विराम चिन्ह लग गया है। ये चुनाव परिणाम कहीं न कहीं मोदी के कांग्रेस मुक्त भारत के जुमले को हकीकत में बदलते नजर आये हैं। कमोबेश, गोवा व मणिपुर में भी भाजपा के मनमाफिक हुआ है। उत्तराखंड के हिमालय से मणिपुर के पहाड़ों तक तथा समुद्रतट पर गोवा तक कामयाबी से भाजपा प्रफुल्लित है। मगर पंजाब के नतीजों ने आम आदमी पार्टी को नई ताकत और अरविंद केजरीवाल के राष्ट्रीय कद को नई ऊंचाई दी है। जैसा कि मतदान के बाद के सर्वेक्षणों में कहा जा रहा था कि पंजाब में आप की सरकार बन रही है, वैसा ही हुआ। लेकिन कामयाबी का संख्याबल इतना बड़ा होगा, इसका अनुमान चुनाव पंडितों को भी नहीं रहा होगा। वर्तमान व निवर्तमान मुख्यमंत्रियों को पंजाब के जनमानस ने जिस तरह सिरे से खारिज किया, उससे साफ है कि जनता बदलाव का मन बना चुकी थी। कांग्रेस में सत्ता संघर्ष का जैसा विद्रूप सामने आया उसने जागरूक पंजाबी मतदाताओं को बदलाव के लिये बाध्य किया। सही मायने में पंजाब के जागरूक मतदाता वर्ग ने परंपरागत राजनीतिक दलों को सिरे से खारिज कर दिया। कांग्रेस की अंदरूनी कलह ने पंजाब के संवेदनशील मतदाता को खासा खिन्न किया। महत्वाकांक्षाओं के आत्मघाती कदम ने कांग्रेस को कहीं का नहीं छोड़ा। तमाम विज्ञापनबाजी, आसमान से तारे तोड़ लाने के वायदे तथा मुफ्त के तमाम वायदों से भी नाराज मतदाताओं का मन नहीं बदला।

जाहिर बात है कि देश के आम मिजाज से अलग प्रतिक्रिया देने वाले पंजाब का जनमानस देश के परंपरागत राजनीति दलों से लंबे समय से खिन्न चला आ रहा था। एक-आध बार के अपवाद को छोड़ दें तो वह हर पांच साल में बदलाव के पक्ष में फैसला देता रहा है। वर्ष 2014 में जब पूरे देश में मोदी लहर थी पंजाब के जनमानस ने आप को सार्थक प्रतिसाद देकर अपने प्रतिक्रियावादी रवैये से अवगत करा दिया था। यह स्पष्ट था कि पंजाब का मतदाता कांग्रेस को फिर से सत्ता में लौटाने के लिये बिल्कुल तैयार नहीं था। अकालियों की कारगुजारियां भी उसे रास नहीं आ रही थीं। साल भर चले किसान आंदोलन का झंडा पंजाब के किसान व सामाजिक संगठनों ने उठाये रखा। केंद्र सरकार के प्रति उनकी नाराजगी तीन विवादास्पद कृषि कानूनों को वापस लेने के बाद कम होने की कोई गुंजाइश नहीं थी। खेती संस्कृति में रचे-बसे पंजाब ने किसान आंदोलन में बड़ी कीमत चुकायी थी। उसके जख्म अभी हरे थे। ऐसे में भाजपा व कैप्टन अमरेंद्र के गठबंधन को वोट देने का तो सवाल ही नहीं था। वैसे भी भाजपा की नैया उसके सबसे पुराने सहयोगी अकाली दल के साथ ही पार उतरती रही है। ऐसे में आम आदमी पार्टी को आजमाने के लिये एक मौका देना मतदाताओं ने मुनासिब समझा। आम आदमी पार्टी के चुनावी एजेंडे ने भी किसी हद तक जनमानस को उद्वेलित किया। हकीकत यही है कि नशे के दलदल में धंसते पंजाब व युवा पीढ़ी के भटकाव की वजह ने पंजाब के जनमानस को राजनीतिक बदलाव के लिये प्रेरित किया। बेरोजगारी बड़ा मुद्दा रहा है, कोरोना काल के संकट ने इसे और विकराल किया। पंजाब के आर्थिक हालात से खिन्न होकर और खेती से होते मोहभंग ने बड़ी संख्या में युवाओं को पलायन के लिये बाध्य किया है। ऐसे में पंजाब के प्रतिक्रियावादी जनमानस ने परंपरागत राजनीतिक दलों से निराश होकर राजनीतिक परिदृश्य में कमोबेश नये राजनीतिक दल आम आदमी पार्टी पर भरोसा जताया। (आरएनएस)

अग्रवाल ने धामी को विधायक दल का नेता चुने जाने पर दी बधाई

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा के निवर्तमान अध्यक्ष व ऋषिकेश विधानसभा से चौथी बार के विधायक प्रेमचंद अग्रवाल ने आज भारतीय जनता पार्टी के विधायक दल का नेता चुने जाने पर पुष्कर सिंह धामी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। अग्रवाल ने बधाई देते हुए कहा कि उन्हे पूर्ण विश्वास है कि लोकप्रिय जननेता पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड राज्य प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुएगा। युवा एवं ऊर्जावान धामी जी के परिश्रम से प्रदेश विकास और सुशासन के पथ पर आगे बढ़ेगा, अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के केंद्रीय नेतृत्व में धामी जी पूरी निष्ठा व समर्पण भाव से देवभूमि उत्तराखंड की विकास यात्रा और जनकल्याण के कार्यों को नई ऊर्जा व गति प्रदान करेंगे।

नाबालिक के साथ छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार

पौड़ी (हसं)। नाबालिग के साथ छेड़छाड़ के आरोपी को पुलिस ने कल देर रात गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार बीते 19 मार्च को पैठाणी निवासी एक व्यक्ति द्वारा थाना पैठाणी में तहरीर देकर बताया गया कि पंकज सिंह रावत नामक एक व्यक्ति ने उनकी नाबालिक पुत्री के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान पीडिता के मेडिकल एवं अन्तर्गत धारा 164 सीआरपीसी के बयान के आधार पर दुष्कर्म व पोक्सो एक्ट की धाराओं को घटाते हुए छेड़छाड़ व 7/8 पोक्सो अधिनियम की धाराओं में बढ़ोत्तरी करते हुए आरोपी पकंज सिंह रावत की तलाश शुरू कर दी गयी। जिसे पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद देर रात तिरपाली रोड़ नर्सरी बैण्ड के पास से गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

बजरंग दल ने धामी का किया भव्य स्वागत

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। बजरंग दल के द्वारा प्रदेश मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का घंटाघर स्थित अंबेडकर पार्क परिसर में तिलक कर उत्तराखंड प्रदेश की कमान पुनः उनके हाथों में मिलने पर बधाई दी साथ ही घंटाघर पर किया भव्य स्वागत।

बजरंग दल के प्रदेश पदाधिकारी विकास वर्मा के द्वारा मुख्यमंत्री को तिलक कर चुनरी उड़ाई गई साथ प्रदेश की जनता के कुछ बिन्दु सूक्ष्म रुप में रखे जिसमे प्रदेश की जनता के हर अंतिम व्यक्ति तक उनकी पहुंच और देवभूमि के आमजन की हर पीड़ा उन तक पहुंचे और उसका वह यथासंभव समाधान करें और आगामी पांच वर्षों में उत्तराखंड प्रदेश भारतवर्ष के सभी राज्यों मे अग्रणी पहचान सनातनी मान बिंदुओं व देवभूमि की मूल पहचान के जिसमें भू कानून, समान नागरिक संहिता जैसे मुख्य विषयों के साथ आगे बढ़े। इस मौके पर संदीप वाधवा,मनोज जुनेजा, विजय गुप्ता,शेखर फुलारा, मनन आनंद,अमित गुलाटी,सुरेश गुप्ता व अन्य लोग रहे।

शपथ ग्रहण कार्यक्रम के लिए पुलिस के पुख्ता इंतजाम

संवाददाता

देहरादून। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री व अन्य केन्द्रीय मंत्रियों के सम्भावित आगमन पर पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कर सभी कर्मचारियों व अधिकारियों को ड्यूटी पर लापरवाही ना बरतने की हिदायत दी।

आज यहां उत्तराखंड में नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री के प्रस्तावित शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री भारत सरकार नरेंद्र मोदी व अन्य गणमान्य अतिथियों के सम्मिलित होने की संभावना के दृष्टिगत सुरक्षा में नियुक्त किये गये समस्त पुलिस बल कि आजे वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा पुलिस लाइन देहरादून में ब्रीफिंग की गयी। ब्रीफिंग के दौरान प्रधानमंत्री, भारत सरकार व अन्य गणमान्य अथितियों के जनपद भ्रमण कार्यक्रम के दृष्टिगत किए गए सुरक्षा-प्रबंधों की समीक्षा की गई तथा वर्तमान सुरक्षा परिदृष्य के दृष्टिगत सभी अधिकारी, कर्मचारियों को सजग व सतर्क रहकर अपना कर्तव्य निर्वहन करने हेतु निर्देष्ठित किया गया।

ब्रीफिंग के दौरान अपर पुलिस महानिदेशक अपराध एवं कानून व्यवस्था, अपर पुलिस महानिदेशक अभिसूचना, पुलिस उपमहानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र, पुलिस उपमहानिरीक्षक/ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा ड्यूटी में लगने वाले समस्त पुलिस बल को निर्देशित किया की वी०वी०आई०पी० ड्यूटी के दौरान निर्धारित समय से 3 घण्टा पूर्व अपने ड्यूटी स्थल पर पहुंचकर अपनी ड्यूटी के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर लें तथा ड्यूटी स्थल व उसके आस-पास के स्थान को भली-भांति चैक कर लिया जाए, कोई भी संदिग्ध वस्तु मिलने पर उसकी सूचना तत्काल उच्चाधिकारियों को दी जाए। केवल अधिकृत व्यक्तियों व उनके वाहनों को ही अन्दर जाने की अनुमति दी जाए। वी०वी०आई०पी० से मिलने वाले व्यक्तियों पर भी सुरक्षा की दृष्टि से कड़ी नजर रखी जाए एवं पूर्व में नामित व्यक्तियों को ही एंटी सबोटाज चेकिंग के पश्चात कार्यक्रम स्थल में जाने की अनुमति दी जाए। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम स्थल पर प्रवेश मार्गों पर नियुक्त प्रभारी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि शपथ ग्रहण समारोह में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को भली भांति चैक करने के उपरान्त ही कार्यक्रम स्थल पर प्रवेश की अनुमति दी जाये, इस सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की लापरवाही न की जाए, जनसभा में आने वाले लोगों को पूर्व निर्धारित स्थान पर ही बैठने की अनुमति दी जाये, अनावश्यक रूप से किसी भी व्यक्ति को बैरिकेटिंग आदि के उपर खडा न होने दे। कार्यक्रम समाप्ति के उपरान्त उपस्थित भीड के वी.वी.आई.पी की ओर जाने अथवा एक साथ बाहर निकलने की स्थिति में किसी प्रकार की भगदड होने की सम्भावना के दृष्टिगत नियक्त पुलिस बल को लाउड हेलरों के माध्यम से लोगों को संयमित होकर कार्यक्रम स्थल से बाहर जाने तथा सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत पूर्व में ही सुरक्षा के समुचित प्रबंध किए जाने के निर्देष्ठा दिए गए, साथ ही ड्यूटी पर लगने वाले समस्त कर्मियों को निर्देशित किया गया कि ड्यूटी के दौरान मोबाइल फोन का बिल्कुल इस्तेमाल ना किया जाए एवं ना ही बिना बताए अपने ड्यूटी प्वाइंट को छोड़ा जाए। ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले अधिकारी/ कर्मचारी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को नगर निगम की और से किए गए अनुबंध शपथ पत्र उपलब्ध कराए

कार्यालय संवाददाता

हरिद्वार। फुटपाथ के कारोबारी रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों के सामूहिक संगठन लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा के द्वारा मुख्य कार्यालय कंधारी धर्मशाला स्थित स्थान पर प्रथम न्यू स्मार्ट वेंडिंग जोन चंडी चौराहा, ललतारो पुल मार्ग पर नगर निगम प्रशासन द्वारा ५० रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमावली के नियम अनुसार स्थापित किए जाने की प्रक्रिया को अंतिम रूप से लाभार्थी सभी रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को नगर निगम की और से किए गए अनुबंध शपथ पत्र उपलब्ध कराए गए। ०१ अप्रैल से सभी ५० लाभार्थी स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारी निगम प्रशासन को ४०/- रोज के हिसाब से किराया शुल्क अदा करेंगे और नगर निगम प्रशासन की और से न्यू स्मार्ट वेंडिंग जोन में पेयजल बिजली सफाई शौचालय मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था उपलब्ध करा कर सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में विधिवत रूप से स्मार्ट वेंडिंग जोन का कारोबार संचालित किया जाएगा।

इस अवसर पर लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा न्यू स्मार्ट वेंडिंग जोन के सभी लघु व्यापारियों ने लगभग अपने शपथ पत्र अनुबंध नगर निगम प्रशासन की और से किए जा चुके हैं, अब नई सरकार के शहरी विकास मंत्री द्वारा न्यू स्मार्ट वेंडिंग जोन का उद्घाटन कराया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा द्वितीय स्मार्ट वेंडिंग जोन पुल जटवाड़ा ज्वालापुर में विकसित किए जाने की प्रक्रिया के तहत स्थानीय लघु व्यापारियों का सत्यापन किया जा रहा है और तृतीय पिंक वेंडिंग जोन में भी ५० से ५५ महिला स्ट्रीट वेंडर्स का बैंक लोन व नगद भुगतान प्रक्रिया विकसित कर रही कंपनी को अदा की जा चुकी है, धर्मनगरी हरिद्वार में एक साफ-सुथरी व्यवस्था का जन्म हो इसके लिए नगर निगम प्रशासन को चलती फिरती हाथ ठेली श्रेणी बनाकर अलग-अलग क्षेत्रों में लाइसेंस व परिचय पत्र दिए जाने चाहिए ताकि रेडी पटरी के लघु व्यापारी अपनी पहचान के साथ शोषण मुक्त स्वरोजगार अपना सकें।

प्रथम न्यू स्मार्ट वेंडिंग जोन के लघु व्यापारियों को नगर निगम की और से किए गए अनुबंध व शपथ पत्र प्राप्त करते लाभार्थियों में बलवीर गुप्ता, कैलाश चौधरी पान वाले, सत्येंद्र कुमार, प्रभात चौधरी, वीरेंद्र कुमार, मोहनलाल, श्याम कुमार, बालकिशन कश्यप, सुशांत बंगाली, गौरव गुप्ता, अनिल सैनी, सत्येंद्र सिंह आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

कार्यक्रम के संयोजक न्यू स्मार्ट वेंडिंग जोन के अध्यक्ष मनोज कुमार मंडल, महामंत्री सचिन राजपूत, कोषा अध्यक्ष जय सिंह बिष्ट रहे।

एक नजर

इंडियन आर्मी करप्ट नहीं हैं, वे चुनी गई सरकार में हस्तक्षेप नहीं करतेः इमरान

नई दिल्ली । पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने एक बार फिर भारत का गुणगान किया है। इस बार उन्होंने भारतीय सेना की तारीफ करते हुए उन्हें सैल्यूट किया है। उन्हेंने इंडियन आर्मी की तारीफ करते हुए कहा कि वह करप्ट नहीं हैं। यह दूसरा मौका है जब इमरान खान ने भारत की तारीफ की है। दोनों ही तारीफें तब आईं हैं जब उनकी कुर्सी खतरे में है।

इमरान खान ने रविवार को एक जनसभा में पाकिस्तानी सेना का नाम लिए बिना कहा, मैं भारत को सलाम करता हूं। वे अपने लोगों के लिए काम करते हैं, भारतीय सेना भ्रष्ट नहीं है और वे कभी भी लोगों द्वारा चुनी गई सरकार में हस्तक्षेप नहीं करते हैं। वहीं, पाकिस्तानी पर्यवेक्षक खान के बयान को पाकिस्तानी सेना पर कटाक्ष के रूप में देखते हैं जो देश की विदेश नीति और नागरिक सरकार को नियंत्रित करती है। ऐसी खबरें हैं कि इमरान खान को पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा और आईएसआई प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अंजुम ने मामले को आगे बढ़ाए बिना ओआईसी की बैठक के बाद पद छोड़ने की सलाह दी थी।

चीन में एक कपल के 15 बच्चे होने के खुलासे के बाद 11 अफसरों को हुई सजा

गुआंग्शी जुआंग। चीन के गुआंग्शी जुआंग में एक स्थानीय फैमिली प्लानिंग स्टेशन में ११ अधिकारियों और कर्मचारियों को दंडित किया गया है। दरअसल, यहां जांच में एक ऐसे कपल के बारे में पता चला है, जिसके १५ बच्चे हैं। जांच के दौरान सामने आया है कि यहां रहने वाले लियांग (७६ साल) और उनकी पत्नी लू हॉन्गलेन (४६ साल) ने १९९५ से २०१६ तक ४ लड़कों और ११ लड़कियों को जन्म दिया। इस मामले में फैमिली प्लानिंग स्टेशन के कुल ११ अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने काम में लापरवाही का दोषी पाते हुए सजा दी गई है। इसमें रोंग काउंटी में लिकुन शहर के प्रमुख और स्थानीय फैमिली प्लानिंग स्टेशन के डायरेक्टर भी शामिल हैं। इस मामले में कपल को भी सजा का सामना करना पड़ सकता था, अगर वे वन चाइल्ड पॉलिसी के खत्म होने से पहले पकड़े जाते। दरअसल, १९७९ में चीनी सरकार ने बढ़ती आबादी को काबू में करने के लिए वन चाइल्ड पॉलिसी लागू की थी। २०१५ में इस पॉलिसी को बदलकर टू चाइल्ड किया गया। हालांकि, सरकार ने २१ जुलाई, २०२१ को टू चाइल्ड पॉलिसी में भी बदलाव कर दिया और इससे जुड़े दंड के प्रावधान को भी खत्म कर दिया।

नाटो को मान लेना चाहिए कि वह रूस से डरता हैः व्लादिमीर ज़ेलेंस्की

कीव । रूस और यूक्रेन के बीच जंग को करीब एक महीना होने वाला है और ऐसे में अब यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर ज़ेलेंस्की ने नाटो से यूक्रेन को खुले तौर पर अपनाने या फिर न अपनाने को लेकर स्थिति स्पष्ट करने के लिए कहा है। द कीव इंडिपेंडेंट के अनुसार, यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर ज़ेलेंस्की ने यूक्रेनी सार्वजनिक प्रसारक सस्पिलने से साक्षात्कार में कहा, नाटो को या तो अब कहना चाहिए कि वह हमें स्वीकार कर रहा है, या खुले तौर पर कहे कि वह हमें स्वीकार नहीं कर रहा है। वह रूस से डरते हैं, जो सच है। इसके अलावा अब से करीब दो सप्ताह पहले ज़ेलेंस्की ने कहा था कि वह अब यूक्रेन के लिए नाटो की सदस्यता हासिल करने पर दबाव नहीं डाल रहे हैं। ज़ेलेंस्की ने एबीसी न्यूज पर प्रसारित एक साक्षात्कार में कहा था कि नाटो यूक्रेन को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। राष्ट्रपति ने कहा, ष्नाठबंधन (नाटो) विवादास्पद चीजों और रूस के साथ टकराव से डरता है। गौरतलब है कि रूस ने कहा है कि वह नहीं चाहता कि पड़ोसी यूक्रेन नाटो में शामिल हो। यूक्रेन के महाअभियोजक ने कहा कि सूमी शहर के बाहरी इलाके में स्थित एक रासायनिक संयंत्र पर भी रूसी गोला गिरा है। संयंत्र पर सोमवार की रात तीन बजे बम गिराया गया।

धामी सरकार का शपथ ग्रहण कल

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड राज्य की नई सरकार कल मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में शपथ ग्रहण करने जा रही है। राजधानी के परेड ग्राउंड में आयोजित होने वाले शपथ ग्रहण कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृह मंत्री अमित शाह सहित कई भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भाग लेंगे। शपथ ग्रहण कार्यक्रम का समय दो बजे से चार बजे तक का रखा गया है।

पीएम और केंद्रीय गृह मंत्री की मौजूदगी के कारण इस शपथ ग्रहण कार्यक्रम को भव्य व दिव्य बनाने की कोशिशें की जा रही है। राज्य के सभी 13 जिलों में शपथ ग्रहण कार्यक्रम को लाइव प्रसारित करने के इंतजाम किए जा रहे हैं। इसके लिए बड़ी स्क्रीन लगाई जा रही है।

इसके साथ ही राज्य की नई कैबिनेट को लेकर भी चर्चाओं का बाजार गर्म है। चर्चा है कि इस बार कई वरिष्ठ मंत्रियों की छुट्टी हो सकती है तथा कुछ नए

❑पीएम मोदी व शाह भी होंगे शामिल
❑योगी सहित कई राज्यों के सीएम रहेंगे मौजूद
❑परेड ग्राउंड में तीन बजे होगा शपथग्रहण

और युवा चेहरों को मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सरकार में महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ाई जा सकती है। सतपाल महाराज, बंशीधर भगत, बिशन सिंह चुफाल जैसे उम्रदराज होने वाले नेताओं को इस बार मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिलेगी जबकि उमेश शर्मा काऊ विधायक रायपुर, रितु खंडूरी विधायक कोटद्वार, आदेश चौहान आदि युवा नेताओं को मंत्रिमंडल में जगह मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

वर्तमान चुनाव में महिलाओं की भागीदारी को देखते हुए महिलाओं को सरकार में अधिक तवज्जोह मिल सकती है वही प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक को इस पद से हटाकर स्पीकर बनाए जाने की चर्चाएं हैं व प्रेमचंद्र अग्रवाल को मंत्री बनाए जाने की चर्चा है। गणेश जोशी, धन सिंह रावत व रेखा आर्य फिर मंत्री बनाए जा सकते हैं। कल होने वाले शपथ ग्रहण में सीएम धामी के साथ कितने मंत्री शपथ लेंगे यह कल ही पता चल सकेगा।

कल शपथ ग्रहण कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर आदि के साथ बीस हजार लोगों के शामिल होने की खबर है।

बीएसएनएल टावर लगाने के नाम पर लाखों की ठगी करने वाले दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। बीएसएनएल टावर लगाने के नाम पर लाखों की ठगी करने वाले दो शातिरों को पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बीते वर्ष 26 अप्रैल को गिरीश चन्द्र जोशी द्वारा थाना जाजरदेवल में तहरीर देकर बताया गया था कि रवि शर्मा बीएसएनएल कोलकाता

नामक व्यक्ति द्वारा 10 अप्रैल 2021 से 26 अप्रैल 2021 तक बीएसएनएल टावर लगाने के नाम पर 18 लाख 11 हजार रूपये की धोखाधड़ी की गयी है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर ठगों की तलाश शुरू कर दी। जांच के दौरान यह प्रकाश में आया कि पीड़ित पक्ष द्वारा अनिकेत मंडल के मोबाईल नंबर पर पेटीएम के जरिये उक्त धनराशि दी गयी है। मोबाइल नम्बर के माध्यम से तीन अन्य मोबाइल नम्बर जो इस मुकदमें से सम्बन्धित थे प्रकाश में आये । साइबर सैल टीम द्वारा ठगों की लोकेशन पता की गयी। जिस पर साइबर सेल की मदद से पुलिस टीम द्वारा अनिकेत मंडल पुत्र गोपाल मंडल निवासी कोलकता, नितेश कुमार झा पुत्र अनिल झा निवासी वकुल बागान कोलकाता' को कोलकता से गिरफ्तार किया गया है।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने किया वंदना कटारिया को पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित

संवाददाता

देहरादून। भारतीय महिला हाकी टीम की करिश्माई खिलाड़ी तथा उत्तराखण्ड की शान वंदना कटारिया को भारत के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इससे पूर्व कटारिया को अर्जुन अवार्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है।

उत्तराखण्ड के जिला हरिद्वार की महिला हाकी खिलाड़ी वदंना कटारिया ओलम्पिक इतिहास में पहली ऐसी भारतीय महिला खिलाड़ी बनी जिन्होने हाकी में हैट्रिक लगायी और भारत को सेमीफाइन में पहुंचाने में अपनी अहम भूमिका निभाई थी। भारत ने इस मौके आस्ट्रेलिया को हराया था।

उत्तराखण्ड की इसी स्टार महिला हाकी खिलाड़ी को भारत के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। जिससे उत्तराखण्ड वासियों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है।

बिजली चोरी में एक नामजद

देहरादून (संवाददाता)। पुलिस ने बिजली चोरी में एक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार केवी उपखण्ड बैराज के अवर अभियंता श्याम सुन्दर ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह मालवीय रोड निकट रेलवे स्टेशन के पास स्थित नागेन्द्र पाल शर्मा पुत्र शोभाराम शर्मा के यहां चैकिंग के लिए गया तो वहां पर नागेन्द्र द्वारा कटिया डालकर बिजली चोरी की जा रही थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।